Chapter 4

bihar board class 9th civics Solutions चुनावी राजनीति

चुनावी राजनीति

प्रश्न और उत्तर

प्रश्न 1. चुनाव क्यों जरूरी है ? इस बारे में कौन-सा वाक्य सही नहीं है?
(क) लोग अपनी पसंद के उम्मीदवार का चुनाव करते हैं।
(ख) चुनाव लोगों को सरकार के कामकाज का मूल्यांकन करने का अवसर प्रदान
(ग) चुनाव लोगों की आकांक्षाओं को फलीभूत होने का अवसर प्रदान करता है।
(घ) चुनाव न्यायपालिका के कामकाज में हस्तक्षेप करने का अवसर प्रदान करता है।
उत्तर-(घ) चुनाव न्यायपालिका के कामकाज में हस्तक्षेप करने का अवसर प्रदान.

प्रश्न 2. भारत के चुनाव लोकतांत्रिक है, यह बताने के लिए इनमें से कौन-सा वाक्य उपयुक्त कारण नहीं देता?
(क) भारत में दुनिया के सबसे ज्यादा मतदाता है ?
(ख) भारत में चुनाव स्वतंत्र एवं निष्पक्ष है।
(ग) भारत में 18 वर्ष से अधिक उम्र का हर व्यक्ति मतदाता है।
(घ) भारत में चुनाव हारने वाली पार्टियाँ जनादेश को स्वीकार कर लेती है।
उत्तर-(क) भारत में दुनिया के सबसे ज्यादा मतदाता है।

प्रश्न 3. निम्नलिखित में मेल ढूँढ़ें।
(क) सार्वभौम व्यस्क मताधिकार 1. हर चुनाव से क्षेत्र में लगभग बराबर मतदाता
(ख) कमजोर वर्गों का प्रतिनिधि 2. 18 वर्ष और उससे ऊपर के सभी मताधिकार
(ग) खुली राजनैतिक प्रतिद्वद्धिता 3. सभी को पार्टी बनाने या चुनाव लड़ने की आजादी
(घ) एक मत, एक मोल 4. अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षण
उत्तर(क) सार्वभौम वयस्क मताधिकार 2. 18 वर्ष और उससे ऊपर के सभी मताधिकार
(ख) कमजोर वर्गों का प्रतिनिधि 4. अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षण
(ग) खुली राजनैतिक प्रतिद्वन्द्विता 3. सभी को पार्टी बनाने या चुनाव लड़ने की आजादी
(घ) एक मत, एक मोल 1. हर चुनाव क्षेत्र में लगभग बराबर मतदाता

प्रश्न 4. इस अध्याय में वर्णित संबंधी सभी गतिविधियों की सूची बनाएँ और इसे चुनाव में पहले से लेकर आखिर तक के क्रम में सजाएँ।
वोटों की गिनती, मतदाता सूची का निर्माण, चुनाव परिणाम, नामांकन-पत्र दाखिल करना, चुनाव प्रक्रिया की घोषणा, चुनाव घोषणा-पत्र जारी करना, चुनाव अभियान।
उत्तर–चुनावी प्रक्रिया की घोषणा, मतदाता सूची का निर्माण, चुनाव घोषणा पत्र जारी करना, नामांकन पत्र दाखिल करना, चुनाव अभियान, वोटों की गिनती, चुनाव परिणाम ।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 5. चुनाव के समय चुनाव आयोग की किन भूमिकाओं से सहमत हैं ?
(क) फोटो पहचान पत्र एवं अन्य निर्धारित पहचानो के आधार पर ही मतदान हो।
(ख) चुनाव में सरकारी तंत्र के दुरुपयोग पर रोक लगाना ।
(ग) चुनाव आयोग को राजनीतिक दलों के द्वारा उम्मीदवार तय करने में हस्तक्षेप करना चाहिए।
(घ) चुनाव आयोग मतदाताओं के साथ-साथ मतदान अधिकारियों की भीसुरक्षा करें।
उत्तर-(ग) चुनाव आयोग को राजनीतिक दलों के द्वारा उम्मीदवार तय करने में हस्तक्षेप करना चाहिए।

प्रश्न 6. इस अध्याय से प्राप्त जानकारियाँ के आधार पर निम्नलिखित राय के पक्ष में दो तथ्य प्रस्तुत कीजिए।
(क) सत्ताधारी पार्टी के लिए चुनाव जीतना आसान होता है।
(ख) चुनाव निष्पक्ष एवं स्वतंत्र हो इसके लिए जनता की भागीदारी होनी चाहिए।
(ग) चुनाव आयोग को देश में स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव करा सकने लायक पर्याप्त मताधिकार नहीं है।
(घ) हमारे देश के चुनाव में लोगों की जबरदस्ती भागीदारी होती है।
उत्तर-(क) सत्ताधारी पार्टी के लिए चुनाव जीतना आसान होता है जब वह नागरिकों के आकांक्षाओं पर सही उतरे तथा वहाँ की समस्याओं से स्वयं को शामिल करते हुए उसका समाधान करें।
(ख) चुनाव निष्पक्ष एवं स्वतंत्र हो इसके लिए जनता की भागीदारी के साथ-साथ निर्वाचन आयोग की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है क्योंकि यह चुनाव संबंधी मामलों को
सुलझाने में सक्षम है।
(ग) चुनाव आयोग को देश में स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव करा सकने लायक पर्याप्त अधिकार नहीं दिये गये हैं इसके लिए उसे न्यायपालिका तथा राष्ट्रपति के नियंत्रण से मुक्त रखा गया है।
(घ) हमारे देश के चुनाव में लोगों की भागीदारी है लेकिन इससे और अधिक लोगों को भागीदारी होनी चाहिए क्योंकि चुनाव ही लोगों को प्रशासन में भागीदारी बनाता है तथा यह लोकतंत्र का आधार भी है।

प्रश्न 7. श्यामलाल को एक आपराधिक मामले में आजीवन कारावास की सजा मिलती है । मोहनलाल को अपनी पत्नी को दहेज के लिए प्रताड़ित करने के जुर्म में दोषी पाया है। दोनों को अदालत ने चुनाव लड़ने की इजाजत नहीं दिया है। क्या फैसला लोकतांत्रिक चुनावों के सिद्धांतों के खिलाफ जाता है ? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दीजिए।
उत्तर-उपर्युक्त दोनों मामलों में अदालत के द्वारा चुनाव लड़ने की इजाजत नहीं लोकतात्रिक चुनावों के बुनियादी सिद्धांतों के अंतर्गत आता है। क्योंकि संविधान अपराधी व्यक्ति चुनाव लड़ने की इजाजत नहीं देता है जिसे हाल के वर्षों में पूरे भारतवर्ष में लागू है।

प्रश्न 8. हीरा सिंह एवं सैफुद्दीन ऐसे उम्मीदवार हैं जो आपराधिक मामले में अदालत के आदेश से जेल में बंद है। न्यायालय के अंतिम फैसले के नहीं आने से उसकी उम्मीदवारी को चुनाव आयोग को वैद्य मानना पड़ता है। ऐसी परिस्थिति में लोगों को क्या करना चाहिए-
(क) उसे चुनाव में विजयी बनाकर दोषमुक्त कर देना चाहिए?
(ख) उसकी आपराधिक छवि होने के कारण लोगों को मत नहीं देना चाहिए?
(ग) चुनाव के समय उसे लोगों से मिलने देना चाहिए?
(घ) 1. अगर हाँ तो क्या लोकतंत्र का अपमान नहीं है ?
2. अगर नहीं तो उसे सदन की कारवाई में शामिल होने का मौका दिया जाता है।
3. अगर यह भारतीय लोकतंत्र के लिए चुनौती है तो इस संबंध में आपकी राय क्या है ?
उत्तर-(क) यह वहाँ की जनता पर नहीं छोड़ा जा सकता क्योंकि यह अदालत का काम है।
(ख) हाँ, उसकी आपराधिक छवि होने के कारण लोगों को मत नहीं देना चाहिए ।

https://www.evidyarthi.in/

(ग) चुनाव के समय उसे अपने विचार से जनता को अवगत करा देना चाहिए और उसे मिलने देना चाहिए।
(घ) 1. नहीं, यह लोकतंत्र का अपमान है।
2. हाँ, उसे सदन की कारवाई में शामिल होने का मौका दिया जाता है।
3. यह भारतीय लोकतंत्र के लिए एक चुनौती है इससे निपटने के लिए सख्त से सख्त उपायों का सहारा लेना चाहिए। जैसे—उनकी सामाजिक पृष्ठभूमि तथा आपराधिक पृष्ठभूमि के आधार पर नामांकन-पत्र को रद्द करना तथा गलत साक्ष्य देने पर संविधान में कड़ी से कड़ी सजा का प्रावधान होना चाहिए जिससे भविष्य में ऐसा कोई जनप्रतिनिधि कदम न उठा सके।

evidyarthi

https://www.evidyarthi.in/